

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 10+2 से 5+3+3+4 प्रणाली में परिवर्तित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित किया गया है जिसके तहत 10 + 2 प्रणाली के पुराने शैक्षिक ढांचे को 5 + 3 + 3 + 4 प्रणाली द्वारा स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पर जोर देने के साथ, स्कूल पाठ्यक्रम की 10 + 2 संरचना को 5 + 3 + 3 + 4 पाठ्यक्रम संरचना द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है। पहले स्कूल में शिक्षा प्रणाली को 10 2 के रूप में जाना जाता था, जिसमें 10 साल की माध्यमिक शिक्षा और 2 साल की उच्च माध्यमिक शिक्षा को दर्शाया जाता था, जिसके बाद छात्र स्नातक और उच्च अध्ययन के लिए कॉलेजों में प्रवेश लेने के पात्र थे। नई प्रणाली में तीन साल की आंगनवाड़ी / प्री स्कूलिंग के साथ 12 साल की स्कूली शिक्षा होगी। यहां हम नई शिक्षा प्रणाली यानी 5 3 3 4 प्रणाली के बारे में अधिक जानने जा रहे हैं s का Maha Pack

BUY NOW

5+3+3+4 प्रणाली के मुख्य बिंदु

	10+2 प्रणाली	5+3+3+4 प्रणाली
संरचना	मौजूदा शैक्षणिक संरचना	नई शैक्षणिक संरचना
चरण	2 चरण	4 चरण
आयु अवधि	(6-18) वर्ष	(3-18) वर्ष
समय सीमा	12 वर्ष स्कूल	15 वर्ष (12 स्कूल वर्ष + 3 प्री- स्कूल वर्ष)
चरण वार	- प्रथम चरण - उम्र 6-16 वर्ष (कक्षा 1-10) - द्वितीये चरण - उम्र 16-18 वर्ष (कक्षा 11-12)	- मूलभूत चरण - 3 वर्ष (प्री स्कूल) (उम्र 3-6) + 2 वर्ष (कक्षा 1 से 2) (उम्र 6-8) = 5 वर्ष - प्रारंभिक चरण - 3 वर्ष (कक्षा 3 से 5) (उम्र 8-11) - मध्य चरण - 3 वर्ष (कक्षा 6 से 8) (उम्र 11-14) - माध्यमिक चरण - 4 वर्ष (कक्षा 9 से 12) (उम्र 14-18)

5 + 3 + 3 + 4 स्कूल प्रणाली का क्या अर्थ है?

- **5- 5 वर्ष-** प्री-स्कूल और कक्षा 1 और 2 (आयु समूह 3 से 8 वर्ष के छात्र) सहित मूलभूत चरण
- **3- 3 वर्ष -** कक्षा 3 से 5 तक की प्रारंभिक अवस्था (8 से 11 वर्ष की आयु के छात्र)
- **3- 3 वर्ष -** कक्षा 6 से 8 सहित मध्य चरण (11 से 14 वर्ष आयु वर्ग के छात्र)
- **4- 4 वर्ष -** कक्षा 9 से 12 तक माध्यमिक चरण (14 से 18 वर्ष की आयु के छात्र)

इसरो के पूर्व प्रमुख के कस्तूरीरंगन ने उस समिति का नेतृत्व किया था जिसने नई शिक्षा नीति विकसित की थी और 2020 की इस नीति ने शिक्षा पर 34 वर्षीय राष्ट्रीय नीति (एनपीई) को प्रतिस्थापित किया था जो कि 1986 में पहले बनी थी।

NEP 2020 स्कूल दिशानिर्देश

- आंगनवाड़ियों / पूर्व विद्यालयों में 5-6 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक कक्षा / बालवाटिका
- सभी कक्षा 1 के छात्रों के लिए स्कूल तैयारी मॉड्यूल
- राष्ट्रीय संस्थापक साक्षरता और संख्यात्मक मिशन
- एनपीई 2020 ने कहा कि भारतीय और क्षेत्रीय भाषाओं की ओर पर्याप्त ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और नई नीति के अनुसार संस्कृत भाषा को शिक्षा प्रणाली में मुख्य धारा में लाया जाएगा।
- स्कूल पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र 21 वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस करके शिक्षार्थियों के समग्र विकास के लिए लक्ष्य करेगा, आवश्यक शिक्षा और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम सामग्री में कमी और अनुभवात्मक अधिगम पर अधिक ध्यान केंद्रित करना।
- 6 वीं कक्षा से स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू होगी, और इसमें इंटरनशिप शामिल होगी।
- स्कूल शिक्षा के लिए एक नया और व्यापक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क, NCFSE 2020-21, NCERT द्वारा विकसित किया जाएगा।
- शिक्षा की यह प्रणाली शिक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए सीखने और विकास परीक्षण, महत्वपूर्ण सोच, विश्लेषण और वैचारिक स्पष्टता के महत्व को प्रदान करने के लिए "योग्यता-आधारित" और गठित होगी।
- नई शिक्षा नीति के दिशानिर्देशों के अनुसार, स्कूली छात्रों को केवल कक्षा 3, 5 और 8 के लिए परीक्षा में शामिल होना होगा। शेष वर्षों के लिए, मूल्यांकन एक "नियमित और औपचारिक" शैली का पालन करेगा।
- नई शिक्षा नीति पेश करने के पीछे का विचार शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला, बहु-विषयक और समग्र बनाना है जो भारत को एक वैश्विक ज्ञान केंद्र बनाएगा।
- एनईपी में प्रस्ताव के अनुसार, छात्रों को अपनी 10 कक्षा के दौरान बाहर निकलने और बाद में कक्षा 11 में फिर से प्रवेश करने का विकल्प होगा। नई नीति छात्र को ऑल-राउंडर बनाने के लिए स्कूली जीवन में उभरते पाठ्यक्रम, पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- NCERT 8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (NCPFECCE) के लिए एक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा विकसित करेगा।

नए कौशल को बढ़ावा देने के लिए, राज्यों और स्थानीय समुदायों ने धातु कार्य, बागवानी, मिट्टी के बर्तन बनाने, बड़ईगीरी, बिजली के काम और अन्य दैनिक और उपयोगी कार्यों के लिए कक्षाएं लगाने का फैसला किया है। यह नई शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर देना है और NEP 2020 का उद्देश्य 2025 तक कम से कम 50% छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा देना है।

नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के साथ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय द्वारा बदल दिया जाएगा और इस नई नीति के पीछे मुख्य उद्देश्य सीखने और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है।